

प्रेषक,

टीकम सिंह पंवार,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उत्तराखण्ड,
उद्यान भवन, चौबटिया—रानीखेत।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग—1

देहरादून: दिनांक: 19 दिसम्बर, 2015

विषय:— राज्य के आपदा प्रभावित एवं पर्वतीय जनपदों में औद्यानिक मशीनों/यन्त्रों/औजारों में अनुदान सीमा में वृद्धि किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-2403/औद्यन्त्रीकरण/2015-16, दिनांक-07-10-2015 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि श्री राज्यपाल महोदय उद्यान विभाग के अन्तर्गत आपदाग्रस्त एवं पर्वतीय जनपदों में औद्यानिक यन्त्रीकरण को प्रोत्साहित किये जाने हेतु विभाग के अन्तर्गत संचालित भारत सरकार द्वारा केन्द्रपोषित योजना बागवानी मिशन के अन्तर्गत औद्यानिक मशीनों/यन्त्रों/औजारों पर आपदाग्रस्त जनपद चमोली, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ एवं बागेश्वर में कुल 90 प्रतिशत अनुदान तथा शेष अन्य पर्वतीय जनपदों यथा देहरादून का पर्वतीय क्षेत्र, टिहरी, पौड़ी, नैनीताल का पर्वतीय क्षेत्र, अल्मोड़ा एवं चम्पावत में कुल 80 प्रतिशत अनुदान दिये जाने की निम्न शर्तों के अधीन स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2— उक्त अनुदान वृद्धि चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 से वित्तीय वर्ष 2019-20 तक की अवधि अथवा राज्य में भारत सरकार की योजना संचालित होने की अवधि, जो भी पहले हो तक अनुमन्य होगी।

3— उक्त अनुदान वृद्धि केवल औद्यानिक यंत्र पावर टिलर (8 बी0एच0पी0 से कम) पावर टिलर (8 बी0एच0पी0 से अधिक) स्वचालित औद्यानिक औजार/मशीनों (पावर स्प्रेयर, वाटर लिफ्टिंग पम्प, ब्रश कटर, लॉपर इत्यादि पर केन्द्र पोषित योजना के मानकों एवं गाईडलाईन के अनुसार अनुमन्य की जायेगी, शेष यंत्रों हेतु प्रावधान पूर्व में निर्धारित मानकों के अनुसार ही होंगे।

4— योजनान्तर्गत उपरोक्तानुसार आपदाग्रस्त 05 जनपदों में औद्यानिक मशीनों/यन्त्रों/औजारों पर 90 प्रतिशत अनुदान एवं उपरोक्तानुसार शेष 06 पर्वतीय जनपदों में औद्यानिक मशीनों/यन्त्रों/ औजारों पर 80 प्रतिशत अनुदान के सापेक्ष 50 प्रतिशत या अनुमन्य सीमा तक राज सहायता की धनराशि भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार "केन्द्र पोषित योजना बागवानी मिशन के अन्तर्गत अनुमन्य की जायेगी तथा केन्द्रांश के पश्चात अनुदान की नियमानुसार अधिशेष धनराशि प्रदेश सरकार द्वारा वहन की जायेगी।

5— राज्य के मैदानी जनपदों यथा जनपद हरिद्वार, उधमसिंहनगर व जनपद नैनीताल एवं देहरादून के मैदानी क्षेत्रों में भारत सरकार द्वारा अनुमन्य मानकों के अनुसार "केन्द्र पोषित योजना बागवानी मिशन के अन्तर्गत अनुमन्य औद्यानिक मशीनों/यन्त्रों/औजारों के अन्तर्गत पूर्व में

कमश:-2

(2)

निर्धारित मानकों के अनुसार ही अनुदान अनुमन्य किया जायेगा। संकलित प्रस्ताव में केन्द्रांश एवं राज्यांश प्रतिशत एवं धनराशि का विवरण उल्लेख करते हुए एक साथ केन्द्रांश के सापेक्ष राज्यांश धनराशि निर्गत की जाय।

6- कृषि एवं औद्यानिकी से जुड़े दोनों कृषकों को दोहरे लाभ की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी अर्थात् यदि सम्बन्धित कृषक द्वारा किसी यंत्र पर अनुदान की सुविधा कृषि विभाग से प्राप्त की जाती है तो समान यंत्र पर उक्त कृषक को उद्यान विभाग से अनुदान कदापि अनुमन्य नहीं किया जायेगा। इस हेतु सम्बन्धित कृषक को कृषि विभाग/शपथ पत्र द्वारा उक्तवत् एक प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा।

7- लाभार्थी द्वारा योजनान्तर्गत क्रय किये गए पावर ट्रिलर को 05 वर्ष तक विक्रय नहीं किया जायेगा। लाभार्थी को प्रत्येक वर्ष इस आशय का प्रमाण पत्र प्रेषित करना होगा कि क्रयित पावर ट्रिलर का उपयोग उसके द्वारा किया जा रहा है अन्यथा कि स्थिति में संबंधित लाभार्थी से अनुदान की वसूली की जायेगी। सम्बन्धित विभागीय अधिकारी का भी यह दायित्व होगा कि लाभार्थी से उक्तवत् प्रमाण पत्र प्राप्त कर लाभार्थी की सम्बन्धित पत्रावली में संलग्न करें।

8- यह आदेश वित्त विभाग के अ0शा0सं0-115(P)/XXVII(4)/2015, दिनांक-15.12.2015 में प्राप्त उनकी सहमति के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।


भवदीय,

(टीकम सिंह पंवार)
अपर सचिव।

संख्या-1589/XVI-1/15/5(19)/2015, तददिनांकित।

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबरोय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 3- समस्त सम्बन्धित जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 4- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री को मा0 मुख्यमंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 5- निजी सचिव, मा0 उद्यान मंत्री को मा0 उद्यान मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 6- वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- निजी सचिव, प्रमुख सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 8- निदेशक, कृषि विभाग, उत्तराखण्ड।
- 9- निदेशक, बागवानी मिशन, राजकीय उद्यान सर्किट हाउस, देहरादून।
- 10- समस्त वरिष्ठ/मुख्य/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 11- उप निदेशक, उद्यान, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 12- समस्त जिला उद्यान अधिकारी, उत्तराखण्ड।
- ✓ 13- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 14- गार्ड फाईल।


(टीकम सिंह पंवार)
अपर सचिव।